रात्री क्लास ओमशान्ति 28-9-67

तुम बच्चों से पूछते होंगे किस सतसंग में जाते हो, तो जब तुम ऐसे कहते होंगे कि हम स्कूल में पढ़ने जाते है। यह सतसंग नहीं है। भल सत के साथ बैठे हो। तुम कहेंगे हम पढ़ाई पढ़ते है। यह स्कूल है जहां हम को राजाई प्राप्त करने लिए पढ़ाया जाता है। ऐसा कब कोई कह न सकेंगे। हम जाते है राज्योग प्राप्त करने। राज्योग तो मशहूर है। हम जाते है राजाओं का राजा, डबल सिरताज बनने। वह तो पहले ऐसी समझेंगे। फिर तुम समझावेंगे हम ब्रह्माकुमार-कुमारियां सतयुग के डबल सिरताज लक्ष्मी-नारायण बनने जाते है। सत्य नारायण की कथा जिस से हम नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी बनते है। हम पढ़ने जाते है नर से नारायण बनने। कैसे सो चल कर समझो। है सेकण्ड की बात। अथवा बोलो हम जाते है जहां एक सेकण्ड में मुक्ति-जीवन मुक्ति मिलती है। पढ़ाई से ही जीवन मुक्ति मिलती है। तुमको चलना हो तो चल कर देखो। हर 5000 वर्ष बाद शिव बाबा आते है वह ही स्वर्ग का रचता, तो हमको स्वर्ग की बादशाही चाहिए। तो जरूर नर्क का विनाश होगा। गायन भी है महाभारत लड़ाई लगी थी। तुम भी अब चलो सुखधाम। पतित पावन बाप कहते है मुझे याद करो तो तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जावेंगे। बाबा समझाते रहते है ऐसे2 सर्विस करो। तुम बच्चों को खुशी रहेगी। चित्र भी तुमको मिल जावेगा। बोलो हम जाते है सत्य नारायण की कथा सुनने परन्तु यह तो सच्ची2 सत्य नारायण की कथा है। हम जाते हो बाप के पास। जो सब का बाप है। जो भी आते है उनको जीवन मुक्ति मिलती है। बाबा कहते है मुझे याद करो मनमनाभव तो तुम्हारे पाप कट जावेंगे। फिर सतयुगी पुण्यात्मा बन जावेंगे। तुम्हारा काम है युह समझाते चलो। बोलो हम जाते है राजयोग सिख लक्ष्मी-नारायण सतयुग के बनते है। अब यह है पुरुषोतम संगम युग पुरुषोतम बनाने लिए। कहते है जादू है, यह है। यह तो अच्छा है पत्थर बुधि से पारस बुधि बनना। शौक होना चाहिए। सेकण्ड में जीवन मुक्ति बाप ही दे सकते है स्वर्ग की बादशाही थी ना। यह चित्र बहुत अच्छा है। सीढ़ी भी बहुत काम की है। परन्तु तुम अक्सर पक्का2 याद करो। फिर तुम और भूल जाते हो। पुरुषोतम यह लक्ष्मी-नारायण है ना। तो यह है पुरुषोतम बनने की कथा। आसुरी तमोप्रधान विकारी है ना। विकारी को तमोप्रधान कहा जाता है। यह पाइन्ट्स समझाते रहने से तुम बच्चों को खुशी रहेगी। हर एक को विचार सागर मंथन कर सर्विस की पाइन्ट्स निकालनी है। तुम बच्चों में याद की यात्रा मजबूत होगी तो याद में रह किसको भी देखेंगे तो शरीर का भान छूट जाता है। जिसके सामने बैठेंगे उनका भी शरीर का भान टूटता जावेगा। अशरीरी हो जावेंगे। सन्यासी लोग ब्रह्म को मानते है। हम जाये लीन होंगे। देह का भान वह भी छोड़ते है। बाकि एभजावजे कुछ भी नहीं। सुस्त मत बनो। बाप को याद करते2 पूज्य बन जावेंगे। गीता में भी है भगवानुवाच मुझे याद करो। भगवान तो शिव वाला ही है। ऊंच ते ऊंच बाबा को याद करना चाहिए। बाप ने फरमान किया है अगर हम बाप को याद न करते है तो नाफरमानवरदार बन पड़ते है। माया आपोजिशन में है। बाप कहते है और सभी नशा में नुकसान है। एक बाप को याद की नशा रहे। याद से ही सुखधाम के मालिक बनेंगे। सर्विस की शौक में रहो। नहीं तो घड़ी2 भूल जावेंगे। जीन की कथा सुनाते है। बोला काम दो नहीं तो खा जावेंगे। बाप भी कहते है याद करते रहो। नहीं तो माया खा जावेगी। जीन हो कर बाप को याद करना है। बहुत सहज है। और अति सहज है। इस कमाई को मत छोड़ो। इनसे ही बेड़ा पार होना है। काम करते रहो, याद करते रहो। हम शिव बाबा का बच्चा हूं। हिसाब-किताब चुक्तु कर रहे है। क्योंकि बाप से वर्सा लेना है। बाप का याद करने का पुरुषार्थ करते रहो। युक्तियां बताते रहो। याद बाप को ही करना है। घर को नहीं। वह जैसे ब्रह्म की याद हो गई। याद बाप की करना है। पतित-पावन वह है। तुम जानते हो शिव बाबा परमधाम में रहते है। हम भी वहां आवेंगे शान्ति धाम को ही सिर्फ याद करते रहो। शान्ति धाम कोई पतित-पावनी नहीं है। शिव बाबा को याद करना है। हम शिव बाबा को याद करते है पावन बनने लिए। बहुत महिनत से समझाने की बात है। अच्छा बच्चों को गुड नाइट। और साथ2 नमस्ते भी अथ सहित। ओम्